



मुम्बई। महाराष्ट्र के डेप्युटी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन द्वारा लोकडाउन में महाराष्ट्र सरकार द्वारा उठाये गये कदमों के लिए 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' से सम्मानित किया गया। अजीत पवार को उनके मंत्रालय स्थित कार्यालय में 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट (स्वीटजरलैंड)' देकर सम्मानित करते हुए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके।



डिब्रूगढ़-असम। सर्वानंद सोनोवाल, सेंट्रल मिनिस्टर ऑफ पोर्ट्स, वाटरवेज, शिपिंग एंड मिनिस्टर ऑफ आयुष, इंडिया को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारी बहनें।



भरतपुर-राज। डॉ. सुभाष गर्ग, विधायक भरतपुर, तकनीकी शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री, राज. सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. बबीता बहन। साथ हैं ब्र.कु. प्रवीणा बहन तथा ब्र.कु. जुगल किशोर भाई।



वलसाड-गुज। कलेक्टर श्रीमति क्षिप्रा अगरे को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. रंजन बहन, उपक्षेत्रीय संचालिका।



उदयपुर-राज। आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज के प्रिन्सिपल डॉ. पोसवाल को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. रिटा बहन।



सिरसागंज-उ.प्र। एस.एच.ओ. प्रविन्द सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गीतांजलि बहन। साथ हैं ब्र.कु. शशी बहन।

आपके हर कार्य की शुरुआत परमात्म आह्वान के साथ



ब्र.कु. उषा, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

अमृतवेले और मुरली क्लास तक तो हरेक की दिनचर्या ठीक रहती है। क्योंकि इस समय को वरदान है। और समय को वरदान होने के कारण उस समय में विशेष बाबा की मदद भी मिलती है। तो उस समय हमने अगर कर लिया वो तो ठीक ही है लेकिन उसके बाद मुख्य रूप से सुबह-सुबह ऐसा कोई स्वमान ले लेते हैं और उस स्वमान के ऊपर अभ्यास करते हैं। स्वमान पर अभ्यास करना भी जब हम भूल जाते हैं तो आजकल तो साइंस ने बहुत सारी विधियां दी हैं हमें कि भाई आप अपने मोबाइल में ही हर घंटे का एक बीप दो। जैसे ही बीप बजेगा आपको याद आयेगा कि मुझे आज के स्वमान में स्थित होना है। और उस समय एक मिनट के लिए या दो मिनट के लिए आप बाबा को याद कर लो। तो ये विधि अपना सकते हैं। या जिस तरह से हमारा ट्रैफिक कंट्रोल बजता है, वो ट्रैफिक कंट्रोल के समय भी अटेंशन में आ जाये। तो ये ट्रैफिक कंट्रोल बजा, कितनी बाबा की याद रही और कितना भूल गये। कोई भी रीति

से, कोई भी विधि से ऐसा महसूस करें कि बाबा मेरे साथ है। कुछ भी विचार चलते हैं ना, कोई भी कर्म करते हुए विचार तो चलते ही हैं ना! तो उस समय बाबा के साथ हमारी ऐसी रूहरिहान हो कि बाबा के साथ वार्तालाप करें। कोई भी बात को लेकर, जैसे कि हम बाहर जा रहे हैं तो बाबा आपको साथ चलना है। आज फलानी जगह जायेंगे, ये करेंगे, ऐसा करेंगे, कोई भी कार्य आरम्भ करो तो दो मिनट के लिए या एक मिनट के लिए भी थोड़ा साइलेंट हो जाओ। बाबा का आह्वान करो और फिर वो कार्य आरम्भ करो। जब इस विधि को अपनाते हैं चाहे बीप रख दो, ट्रैफिक कंट्रोल को लेकर करो, चाहे बाबा के साथ कोई न कोई सम्बन्ध के आधार पर जब आप रूहरिहान करते हो,

जितना मन ही मन बाबा से बातचीत हमारी होती रहेगी, उतना नैचुरल योगी हम बनते रहेंगे

खाना बना रहे हो। मान लो कि आप सोच रहे हैं कि बाबा की पसंद का खाना हम बना रहे हैं तो मन ही मन बाबा से बातचीत करते जाओ। जितना मन ही मन बाबा से बातचीत हमारी होती रहेगी उतना नैचुरल योगी बनते जायेंगे। बाबा ने भी इसीलिए बच्चों को यही कहा कि बच्चे 2-4 बार आकारी, निराकारी अभ्यास करो, हर घंटे पर उसका अभ्यास करो। भावार्थ बाबा का यही है कि अभ्यास करते-करते बार-बार अटेन्शन जायेगा कि घंटा बीत तो नहीं गया।

उससे क्या होगा कि एक नैचुरल, निरन्तर स्थिति हमारी बनने लगेगी। कोई भी चीज को बार-बार जब स्मृति में लाते हैं तो स्मृति में लाने से वो हमारी शक्ति बन जाती है, समर्थी अन्दर में आने लगती है। शुरू में थोड़ी मेहनत लगती है हमें लेकिन उसके बाद एक नैचुरल अभ्यास होने लगता है कि जैसे ही कुछ हुआ तो सोचेंगे कि हाँ बाबा को याद करना है। बाबा का आह्वान करना है। इस कर्म में बाबा को साथ लेकर चलना है। तो इस तरह से जैसे-जैसे आप ये करते जायेंगे, अभ्यास बढ़ाते जायेंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। साथ ही साथ मान लो कि आप कार्यक्षेत्र पर हो तो कार्यक्षेत्र पर कैसे करें? तो जिस तरह से ट्रैफिक कंट्रोल होता है, आप सोचेंगे कि सबके बीच में हम होते हैं। ट्रैफिक कंट्रोल कैसे करें! तो यही आता है मन के अन्दर कि जो भी कार्य करने वाले साथी हैं उन सबको भी ये रंग चढ़ाना शुरू करें कि हमारे इश्वरीय विश्वविद्यालय के अन्दर ऐसे ट्रैफिक कंट्रोल बजता है। जैसे हमारे इतने विचार चलते हैं तो उन विचारों को बीच-बीच में थोड़ा सा शांत करके मन को इश्वर में एकाग्र करना होता है। तो आप सभी भी उस अटेंशन में आ जायें। हो सकता है कि लोग दो-चार दिन हँसी भी उड़ा सकते हैं कि क्या कर रहे हो। लेकिन जैसे-जैसे उन्हें मालूम पड़ेगा और आप एकदम शांत होकर बैठेंगे फिर उनको महसूस होगा कि ये जो बीच-बीच में कर रहा है ना उससे इसका मन कितना शांत हो जाता है। - क्रमशः



शिमला-हि.प्र। शहरी मंत्री सुरेश भारद्वाज को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् इश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. भारत भूषण भाई तथा अन्य।



सोनीपत-हरियाणा। मेयर निखिल मदान को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् इश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुनीता बहन तथा ब्र.कु. प्रमोद बहन।



टूडला-जीवनी नगर(उ.प्र.)। सांसद चंद्र सेन जादौन को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शालू बहन। साथ हैं ब्र.कु. शशी बहन।



जावरा-म.प्र। थाना प्रभारी वी.डी. शर्मा व स्टाफ को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सावित्री बहन।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज, शान्तिवन, तलहटी,

पोस्ट बॉक्स न - 5, आवू रोड (राज.) 307510

सम्पर्क - 9414006096, 9414182088,

Email-omshantimedia@bktivv.org

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये,

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम पर बैंक ऑर्डर या

बैंक ड्रॉपर (पेयमेंट एर ऑर्डर) द्वारा भेजें।

For Online Transfer

SBI ACCT. NO. - 30826907041

IFSC - CODE - SBIN0010638

सूचित अवश्य करें...



कादमा-हरियाणा। बहन चित्रलेखा, निदेशक, गृह मंत्रालय भारत सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. वसुधा बहन।